माँ कालरात्रि आरती लिरिक्स (

माँ कालरात्रि आरती लिरिक्स (
क्स (Maa Kalratri Aarti Lyrics)
कालरात्रि माता ,
जय कालरात्रि माता ।
धन वैभव संपत्ति ,
की तुम ही दाता ।।
जय कालरात्रि माता ।।
रूप भयंकर तेरा ,
शक्ति महामाई । महामाई ।
छवि लखते ही तुम्हारी लखते ही तुम्हारी ,
काल भी डर जाई ।।
जय कालरात्रि माता ।।
भूत प्रेत और दानव ,
निकट नहीं आते ।कट नहीं आते ।
खडग कटार केआगे ,
शत्रु नहीं टिक पाते ।।क पाते ।।
जय कालरात्रि माता ।।
गर्धव वाहिनी मैया नी मैया ,
कृपा जरा कीजो ।
निर्बल को माँ शक्ति
,
अपनी शरण दीजो ।।
जय कालरात्रि माता ।।
नो दुर्गाओं में भवानी
ओं में भवानी ,
सातवा तेरा स्थान ।
महामाया महाकाली ,
शक्ति तेरी महान ।। तेरी महान ।।
जय कालरात्रि माता ।।
सातवे नवरात्रे को ेको ,
पूजी तुम जाती ।

मनवांछित फल देती
त फल देती ,
शक्ति तेरी महान ।। तेरी महान ।।
जय कालरात्रि माता ।।
हे प्रचंड ज्वालमयी ,
हमपे दया करना ।
जानकेसेवक अपना ,
दुःख विपदा हरना ।।

पदा हरना ।।
जय कालरात्रि माता ।।
चिंता हारना दाती ंता हारना दाती ,
काल करे न वार ।
विनती इतनी सी माँ
ाँ,
कर लेना स्वीकार ।।
जय कालरात्रि माता ।।
लेकर आस शरण में ,
तेरी हम आये ।
सुना है खली दर से ,
ना तेरे कोई जाये ।।
जय कालरात्रि माता ।।
कालरात्रि माता ,
जय कालरात्रि माता ।
धन वैभव संपत्ति ,
की तुम ही दाता ।।
जय कालरात्रि माता ।।
माँ कालरात्रि मंत्र ((Maa Kalratri Mantra)
ऊंऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै
च्चै
ऊंकालरात्रि दैव्ये नम:
ॐ ह्रीं श्रीं क्लींलीं दुर्गति नाशिन्यै महामायायै स्वाहा।
न्यै महामायायै स्वाहा।